भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2025
दिनांक 11.02.2026 को उत्तर देने के लिए

एनसीएमएम के तहत उत्कृष्टता केंद्र के उद्देश्य

2025.श्री राजपालसिंह महेंद्रसिंह जादवः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए उत्कृष्टता केन्द्रों (सीओई) के रूप में मान्यताप्राप्त संस्थानों की सूची क्या है और उनके उद्देश्यों और अनुसंधान विषयों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या शैक्षणिक संस्थानों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों को शामिल करते हुए कोई समन्वित अनुसंधान कार्यनीति तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि अनुसंधान के परिणाम उद्योग के लिए लागू करने योग्य हों और राष्ट्रीय खनिज सुरक्षा लक्ष्यों के अनुरूप हों; और
(घ) सरकार द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की समय-सीमा और उनके संभावित परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): खान मंत्रालय ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के तहत महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला में घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए केंद्रित अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) के लिए देश के निम्नलिखित नौ प्रमुख संस्थानों को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में मान्यता प्रदान की है:

(1) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे

(2)आईआईटी, हैदराबाद

(3)आईआईटी, रुड़की

(4)आईआईटी, इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आईएसएम), धनबाद

(5)भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर

(6)वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी), भुवनेश्वर

(7)सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), जमशेदपुर

(8)नॉन-फेरस मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर (एनएफटीडीसी), हैदराबाद

(9)सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सीएमईटी), हैदराबाद

प्रत्येक सीओई एक कंसोर्टियम के रूप में, हब एंड स्पोक मॉडल पर काम करता है, ताकि घटक उद्योग और एकेडमिक/आरएंडडी स्पोक्स की मुख्य दक्षताओं का लाभ उठाया जा सके। मान्यता प्राप्त नौ सीओई मिलकर 80 से अधिक उद्योग और अकादमिक/आर एंड डी स्पोक्स को एक साथ लाए हैं। सीओई मॉडल के तहत, उद्योग भागीदारों के साथ अनिवार्य कंसोर्टियम, जिसमें लागू होने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में उद्योग का योगदान शामिल है, जो परियोजना डिजाइन में औद्योगिक प्रयोज्यता और मापनीयता सुनिश्चित करता है। मंत्रालय इन सीओई के साथ तालमेल बैठाने और ठोस परिणाम सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से समीक्षा करता है। खान मंत्रालय के सहयोग से चल रही अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का विवरण मंत्रालय के सत्यभामा पोर्टल पर निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है:

https://research.mines.gov.in/OngoingProjectsDetails.aspx

*****